नईदुनिया
इंदौर, गुरुवार 25 अगस्त 2016

अपने वाई-फाई को रखें प्रोटेक्टेड, बरतें सावधानी

हम वर्चुअल वर्ल्ड के खतरों को अनदेखा करते हैं या सुरक्षा से जुड़ी सावधानियां भूल जाते हैं। जरूरी नहीं कि हमारी डिवाइस या नेटवर्क में इन खतरों से निपटने के उपाय हों। ऐसे में सावधानी के लिए अपनी बुद्धि का इस्तेमाल करना होगा क्योंकि यह हमें किसी मुश्किल में डाल सकती है।

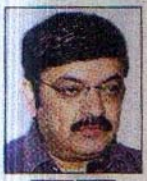

वरुण कपूर
आईपीएस

ऐसी ही मुश्किल वाई-फाई के उपयोग से सामने आ सकती है। असुरक्षित वाई-फाई डिवाइस को कोई भी आपराधिक किस्म का व्यक्ति हैक कर सकता है, जिसके जरिए वो आपके निजी डेटा मे सेंध लगा सकता है, आपकी जरूरी फाइल तक पहुंच सकता है और आपके इंटरनेट कनेक्शन का दुरुपयोग कर किसी अपराध को अंजाम दे सकता है।

वाई-फाई के असुरक्षित होने पर किस तरह की परेशानियां आ सकती हैं, यह हम मुंबई के इस मामले से समझ सकते हैं। 7 दिसंबर 2010 को धार्मिक शहर वाराणसी में श्रृंखलाबद्ध बम बलास्ट हुए। बम धमाकों के आधे घंटे बाद ही alfateh00005@gmail.com ई-मेल आईडी से देश के बड़े मीडिया प्रतिष्ठानों को इन धमाकों की जिम्मेदारी लेने संबधित मेल गया। जब इस मेल की तहकीकात की गई तो इसके सिरे मुंबई के गोरेगांव के एक बड़े से मॉल के पीछे बांगर नगर की बिल्डिंग तक पहुंच गए। पुलिस ने इंटरनेट कनेक्शन के मालिक का पता लगाया और उसे पकड़कर थाने ले आए, जहां उसे यातनाभरी पूछताछ से गुजरना पड़ा क्योंकि उसके वाई-फाई कनेक्शन से ही मेल भेजा

गया था। जांच के दौरान सामने आया कि इंटरनेट कनेक्शन के मालिक ने अपने वाई-फाई को पासवर्ड से लॉक नहीं किया था और उसे किसी साजिश के तहत हैक कर लिया गया था, जिसका इस्तेमाल अल फतह ग्रुप के नाम से बम धमाकों की जिम्मेदारी कुबूलने के लिए किया था। इस केस को देखें तो पता चलता है कि छोटी सी भूल या असावधानी आपको किसी बड़ी परेशानी में उलझा सकती है।

इन बातों का रखें खास ध्यान

किसी की बुरी नजर आपके वाई-फाई कनेक्शन पर पड़े और आप किसी कठिनाई में पड़ जाएं पहले आप ये सावधानियां रखें-

1) वायरलेस नेटवर्क का डिफॉल्ट नेम बदल लें।

2) राउटर की सिक्योरिटी सेटिंग पेज को इनेबल करें और सुझाए गई सुरक्षा सेटिंग्स करें।

3) फैक्टरी मेड पासवर्ड को बदलकर एक मजबूत सुरक्षित पासवर्ड रखें।

4) अपने राउटर की सेटिंग ऐसी करें कि उसकी रेंज में आने पर राउटर के एसएसआईडी में कोई घुसपैठ करता है तो वो अलर्ट करें।

वाराणसी बम धमाकों और मुंबई से जुड़े ई-मेल के तार के बाद ये सामने आया कि आतंक से जुड़े लोग सड़कों के किनारे खड़े होकर अपनी डिवाइस से असुरक्षित वाई-फाई का पता लगाते हैं और उसका दुरुपयोग करते हैं।

तो आप रहें टेक्नो अपडेट और बरतें सावधानी।

(लेखक अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक पद पर इंदौर में पदस्थ हैं और विचार उनके व्यक्तिगत हैं)
ईमेल: varunkapoor170@gmail.com